प्रारंभिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना के अन्तर्गत

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा–4 : हिन्दी

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक/शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थी के नाम, पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ, कक्षा के बच्चों के उपसमूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित है। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थी के नाम एवं रोल नं. डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार यहां नाम लिखना है।
- **अधिगम स्तर के अनुसार उप समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य** – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज़ करना है।
- **शिक्षण–आकलन योजना** – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ सम्पूर्ण कक्षा के लिए **"अधिगम उद्देश्य से तात्पर्य"** पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- **"उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य"** से तात्पर्य संबंधित कक्षा में आरम्भिक लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- **मासिक समेकित रचनात्मक आकलन** – इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को प्रत्येक माह के अन्त में कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए आकलन सूचकों के सापेक्ष दर्ज़ करना है।
- चैकलिस्ट में दर्शाए गए प्रथम कॉलम में माह I, II एवं द्वितीय कॉलम में **'कार्य किया'** लिखा गया है। इसका तात्पर्य है कि जिस माह में जिन–जिन अधिगम क्षेत्रों के लिए आकलन–सूचकों के सापेक्ष कार्य किया जाएगा उनके सामने सही (✓) का चिह्न दर्शाया जाएगा। यदि दोनों माहों में कार्य किया गया है तो दोनों में ही (✓) का चिह्न लगाया जाएगा।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचक आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किए गए हैं ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे किन्हीं अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा।
- मासिक रचनात्मक समेकित आकलन के लिए दी गई चैकलिस्ट में अधिकतम 50 बच्चों का आकलन दर्ज़ किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– क्रमांक तृतीय पृष्ठ पर दिए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज़ किया जाएगा।)
- चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज़ किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है – A= स्वतंत्र रुप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।
- इसमें आरंभिक लेखन–पठन एवं गणित की बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट को भी सम्मिलित किया गया है। जिसमें ऐसे विद्यार्थी जो नामांकित कक्षा–स्तर पर नहीं हैं उनका मासिक समेकित रचनात्मक आकलन दर्ज़ किया जाएगा। इसके लिए भी ऊपर वर्णित ग्रेड के अनुसार आकलन दर्ज़ करना होगा।

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना' के विकास एवं कार्यान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

यूनिसेफ, जयपुर

बोध शिक्षा समिति

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
29		
30		
31		
32		
33		
34		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
35		
36		
37		
38		
39		
40		
41		
42		
43		
44		
45		
46		
47		
48		
49		
50		

पाठ्यक्रम कक्षा : 3 से 5 (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

बोलना–सुनना

- दूसरों के विचार को ध्यान एवं धैर्य के साथ सुनकर समझना और अपनी सोच विकसित करना।
- किस्से–कहानियाँ सुनकर आनंद प्राप्त करना।
- ऐतिहासिक घटनाएँ सुनकर अपनी सांस्कृतिक धरोहर के बारे में जानना।
- कविताएँ सुनकर उसके अर्थ एवं भाव को समझना एवं आनन्द की अनुभूति करना।
- नए शब्दों को सुनकर उनके अर्थ समझना।
- रोचक कहानी–कविता आदि सुनकर अपने अनुभव में वृद्धि करना।
- सुने गए भावों–विचारों पर चिन्तन करना।
- सहज रूप से अपनी बात कह पाना।
- परिस्थिति एवं अवसर के अनुरूप अपनी बात कह सकना।
- सशक्त रूप से अपनी बात कहना।
- बोलने के शिष्टाचार का पालन करना।
- गीत–कविता आदि को लय–ताल के साथ बोलना।

पढ़ना

- पढ़ने के प्रति रुचि होना।
- पढ़ते समय अपरिचित शब्दों का संदर्भ के आधार पर अनुमान लगाना।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं यथा– कहानी, गीत, संवाद, निबंध आदि से परिचित होकर उन विधाओं की अन्य पुस्तकें पढ़ना।
- पुस्तकालय संबंधी सक्रियता होना।
- दूसरे के विचारों को पढ़कर समझना।
- पठन द्वारा ज्ञान प्राप्ति एवं आनन्द प्राप्त करने में समर्थ होना।
- पाठ में निहित मूल भाव, विचार या बिन्दु को समझना।
- विषय–सामग्री के माध्यम से नए शब्दों का अर्थ जानना।
- नए शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढना।
- विभिन्न विधाओं के माध्यम से बहुभाषिक और बहुसांस्कृतिक संदर्भों से जुड़ना।
- परिवेश में उपलब्ध पाठ्य सामग्री के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करना।
- पाठ्य सामग्री द्वारा प्रजातांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न होना।
- पाठ्य सामग्री (अखबार, पत्र–पत्रिका आदि) को पढ़कर उन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (जैसे– टी.वी., इन्टरनेट, मोबाइल आदि) परिवेश में उपलब्ध विज्ञापन आदि को पढ़कर समझ विकसित होना।

लिखना

- स्पष्टता के साथ लिखना।
- प्रश्न के अनुरूप उत्तर को अपने शब्दों में लिखना।
- आत्मविश्वास के साथ लिखना।
- भावों, विचारों, अनुभवों व चिन्तन को अपने शब्दों में लिखना।
- विषय के अनुसार विचारों की लिखित अभिव्यक्ति करना।
- विभिन्न परिस्थितियों/काल्पनिक घटनाओं को अपने शब्दों में लिख पाना।
- सुनकर लिख पाना।
- विभिन्न अवसरों पर निबंध, कहानी, कविता, स्लोगन लेखन आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी रचनात्मक अभिवृत्ति का विकास करना।
- कविता, कहानी आदि का सृजन करना।
- किसी कविता, कहानी आदि को आगे बढ़ाना।

परिवेशीय सजगता

- प्राकृतिक और अन्य घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करना।
- देखी–सुनी घटनाओं के घटनाक्रम को समझना और समझाना।
- आस–पास मौजूद हालातों आदि के बारे में सवाल करना।
- अपने आस–पास मौजूद पशु–पक्षिओं, पेड़–पौधों, इमारतों, लोगों (बुजुर्गों, महिलाओं, चुनौती वाले लोगों, दोस्तों) के प्रति सम्मान, मित्रता, सहिष्णुता का भाव रखना।
- व्यक्तिगत, घरेलू और विद्यालय स्तर पर चीज़ों के व्यर्थ इस्तेमाल को रोकना।

व्यावहारिक व्याकरण

शब्द भण्डार में वृद्धि हेतु नए शब्द, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया, पर्यायवाची, विलोम शब्द, लिंग, वचन कारक, उपसर्ग, प्रत्यय आदि की समझ विकसित करना। कक्षा स्तरानुरूप मुहावरे, लोकोक्ति व कहावतों का प्रयोग तथा विराम चिह्नों आदि की पहचान तथा इनका संदर्भ में उपयोग कर पाना।

प्रथम टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ

पाठ–1 : क्यों ? (कविता)

- कविता को उचित भाव व उतार–चढ़ाव के साथ पढना़ व गाना।
- नवीन शब्दों को ग्रहण करना एवं अपनी भाषा में उनका इस्तेमाल करना।
- विषय वस्तु को समझते हुए उस पर अपने विचार लिखना।
- परिवेशीय वस्तुओं के साथ सहसम्बन्ध जोड़ना।
- समूह चर्चा में अपनी बात को रखना व दूसरे की बात को सुनना।
- शब्दों के अलग–अलग अर्थ को समझना एवं उचित सन्दर्भ के अनुसार प्रयोग करना।
- संबंधित विषयवस्तु पर प्रश्न बनाना/पूछना।
- पहेलियाँ हल करना, अनुमान लगाना एवं खोजबीन करना।
- चित्र सामग्री इकट्ठा कर उसको कोलाज के रूप में सृजित करना।

पाठ– 2 पापा जब बच्चे थे (कहानी)

- कहानी को पढ़कर आनन्द लेना एवं स्वयं के अनुभवों से जोड़ना।
- तुकान्त शब्दों को समझना एवं खोजबीन करना।
- परिचित लोगों से बातचीत कर सूचना एकत्र करना एवं समूह में बताना।
- स्वयं प्रश्न बनाकर समाधान सोचना व खोजना।
- सम्बन्धों की समझ मज़बूत बनाना, सम्बन्धों के आधार पर लोगों को सम्बोधित कर सम्मान दे पाने की समझ बनाना।
- स्थान विशेष के कार्यों से अवगत होना, विभिन्न कामों से जुड़े व्यवसाय को समझना एवं उनके प्रति संवेदनशील होना।
- विशेषण एवं सर्वनाम की अवधारणा को समझना एवं प्रयोग करना।
- साक्षात्कार विधा से परिचित होना, साक्षात्कार हेतु प्रश्नों को बनाना एवं जानकारी एकत्र करनाा।

पहेलियाँ

- पढ़ने के प्रति रुचि बनाना।
- पढ़कर स्वयं समझते हुए उनके उत्तर खोजना एवं कक्षा में अन्य और पहेलियाँ पूछने की पहल करना।

पाठ– 3 कदम्ब का पेड़ (कविता)

- कविता को पढ़कर सुनाना एवं उसमें आनन्द लेना।
- नए शब्दों को समझना एवं शब्दकोष बढ़ाना।
- पढ़कर समझना एवं पढ़े हुए के भाव संक्षिप्त रूप में अपनी भाषा में समूह में सुनाना।
- संगीत के वाद्य यंत्रों को पहचानना एवं अपनी पसन्द के वाद्य यंत्रों के बारे में लिखना।
- विषय के अनुरूप उसके कारण को समझते हुए चर्चा में भाग लेना।
- विषयवस्तु का संक्षिप्तीकरण करना।
- पर्यावरणीय वस्तुओं के प्रति संवेदनशील होना।
- विभिन्न प्रकार के मुखौटे बनाना एवं मुखौटों के अनुसार अभिनय करना।

पाठ– 4 सूत का रेशम (कहानी)

- कहानी को धाराप्रवाह गति से पढ़ना एवं उसके भाव को समझकर प्रस्तुत करना।
- नए शब्दों को समझना एवं वाक्यों व संदर्भ के अनुरूप शब्दों का चयन करना।
- विषय वस्तु समझ कर प्रश्नों पर अपने विचार लिखना।
- प्रत्यय और उपसर्ग को समझना एवं नए शब्दों का निर्माण करना।
- मुहावरों को प्रारंभिक स्तर पर समझना एवं उनका वाक्य बनाने में प्रयोग करना।
- काल एवं क्रिया को समझना एवं संदर्भ के अनुसार प्रयोग करना।
- अपनी बात अभिनय के माध्यम से व्यक्त करना एवं आस–पास के लोगों का अभिनय करना।
- दी गई विधि को पढ़कर समझते हुए सामग्री का निर्माण करना।
- रचनात्मक लेखन– चित्र देखकर कहानी लिखना एवं कहानी के आधार पर चित्र बनाना।

बैंड, बाजा, बच्चे

- पढ़कर खेल को समझना।
- खेल के नियमों को पढ़कर समझते हुए खेल करवाना या स्वयं खेलने की उत्सुकता दिखाना।

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के उपसमूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

उपसमूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

उपसमूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

नोट : हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय में उपसमूह एक अथवा दो में पदस्थापन सत्रारंभ में किए गए आधार रेखा आकलन अथवा पूर्व कक्षा के योगात्मक आकलन के आधार पर किया जाएगा। जबकि पर्यावरण अध्ययन एवं कला शिक्षण में दैनन्दिक शिक्षण प्रक्रिया के अनुसार बदलते हुए उपसमूह बनाए जा सकते हैं।

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																									
	II																									
समूह चर्चा के दौरान तर्क सहित अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी गई/पढ़ी गई विषयवस्तु के आधार पर कल्पनात्मक वाक्य बोल पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
पठित विषयवस्तु को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर प्रमुख विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
प्रश्नों को पढ़कर समझते हुए उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को बनाने की विधि, निर्देशों एवं सांकेतिक भाषा को पढ़कर समझ पाना एवं उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों व अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों को देखकर क्रमबद्धता के साथ कहानी का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
साक्षात्कार के लिए विविध प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रश्नावली तैयार कर पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
संदर्भ के अनुसार द्विअर्थी शब्दों को वाक्य में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विशेषण एवं सर्वनाम शब्दों की पहचान कर पाना एवं संदर्भानुसार वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
अनुनासिक, अनुस्वार को समझ के साथ पढ़ते हुए स्वयं के लेखन में इस्तेमाल कर पाना।	I																									
	II																									
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
शब्दों में प्रत्यय को पहचान पाना एवं स्वयं के स्तर पर प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
काल के अनुसार क्रिया को प्रारंभिक स्तर पर समझ पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
चित्र बनाकर उचित रंग भर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																									
	II																									
निर्देशानुसार विभिन्न प्रकार की सामग्री बना पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																									
	II																									
समूह चर्चा के दौरान तर्क सहित अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी गई/पढ़ी गई विषयवस्तु के आधार पर कल्पनात्मक वाक्य बोल पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
पठित विषयवस्तु को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर प्रमुख विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
प्रश्नों को पढ़कर समझते हुए उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को बनाने की विधि, निर्देशों एवं सांकेतिक भाषा को पढ़कर समझ पाना एवं उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों व अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों को देखकर क्रमबद्धता के साथ कहानी का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
साक्षात्कार के लिए विविध प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रश्नावली तैयार कर पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
संदर्भ के अनुसार द्विअर्थी शब्दों को वाक्य में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विशेषण एवं सर्वनाम शब्दों की पहचान कर पाना एवं संदर्भानुसार वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
अनुनासिक, अनुस्वार को समझ के साथ पढ़ते हुए स्वयं के लेखन में इस्तेमाल कर पाना।	I																									
	II																									
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
शब्दों में प्रत्यय को पहचान पाना एवं स्वयं के स्तर पर प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
काल के अनुसार क्रिया को प्रारंभिक स्तर पर समझ पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
चित्र बनाकर उचित रंग भर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																									
	II																									
निर्देशानुसार विभिन्न प्रकार की सामग्री बना पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

(कक्षा–4 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* वर्णाकृतियों की ध्वनि पहचान करते हुए पढ़ पाना	I																								
	II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।	I																								
	II																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।	I																								
	II																								
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।	I																								
	II																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।	I																								
	II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।	I																								
	II																								
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।	I																								
	II																								
सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।	I																								
	II																								

संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों / निर्देशों / प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I																									
	II																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों / किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									
कक्षा – 3 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																									
* पठित सामग्री को उतार–चढ़ाव एवं धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
** संबंधित विषयवस्तु / संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ

पाठ–5 : कुरज री विनती (लोककथा)

- पढ़कर आनन्द लेना और अपने परिवेश से सम्बन्धित लोककथाओं को जानने के प्रति उत्सुक होना।
- नए शब्दों से परिचित होना एवं शब्दों का इस्तेमाल अपनी भाषा में करना।
- परिवेशीय/क्षेत्रीय शब्दों को मानक भाषा में प्रयोग करते हुए समझना।
- विषय वस्तु समझ कर उसके संक्षिप्त रूप को प्रस्तुत करना, सन्दर्भ के अनुसार अनुमान लगाना एवं अपने विचारों को मूर्त रूप देना।
- प्रश्नों को समझ कर समस्या का समाधान ढूँढना।
- सन्दर्भ के आगे व पीछे की बात को समझना। (घटना को क्रमबद्धता देने की समझ विकसित करना।)
- परिवेशीय सजगता के साथ संवेदनशीलता के भाव को विकसित करना।
- मुहावरों ,विशेषण एवं वचन शब्दों को समझ के साथ प्रयोग करना।
- विराम चिह्नों की अवधारणा पर समझ बनाना एवं लिखने व पढ़ने में प्रयोग करना।
- स्थानीय लोक गीतों में पक्षियों वाले गीतों को खोजना एवं संबंधित पक्षी पर लिखे गीतों को गाना और संकलन करना।
- विधि को पढ़कर समझते हुए वाद्य यंत्र बनाना।
- स्थानीय वस्तुओं (कबाड़) से पसन्द के खिलौने बनाने की ओर अग्रसर होना।

पाठ– 6 हाथों से बातचीत (कहानी)

- पढ़कर समझते हुए लिखना।
- अपने अनुभवों को साझा करना।
- चिह्नों को समझ के साथ लेखन में प्रयोग करना।
- प्रत्यय शब्दों को समझना।
- विशेष सक्षम जनों एवं परिवेश से संबंधित अन्य लोगों के प्रति संवेदनशील होना।

चुटकुले

- चुटकुलों को पढ़ने में रुचि दिखाना एवं पढ़कर कक्षा में सुनाना।

पाठ– 7 बाँकी–बाँकी धूप (कविता)

- कविता का उचित हावभाव व उतार–चढ़ाव के साथ गायन करना व पढ़ना।
- तार्किक चिन्तन करते हुए वाद–विवाद में अपने विचार रखना।
- विषय–वस्तु के आधार पर कल्पना करते हुए वाक्य प्रयोग करना।
- विपरीतार्थक शब्दों को समझना एवं अपने लेखन/पठन में प्रयोग करना।
- ज्ञानन्द्रियों के कार्यों के आधार पर कामों को वर्गीकृत करना।
- स्वयं की कल्पना के अनुसार संवाद बोलना एवं दिए गए बिन्दु पर अपने विचार क्रमबद्ध रूप से अभिव्यक्त करना।
- सूचना इकट्ठा करना व प्रश्नावली का निर्माण करना।
- खोजबीन करना, विभिन्न प्रकार की चीज़ों को संग्रहित करना, जीव जन्तुओं के अभिनय करना, चित्र बनाकर उचित रंग संयोजन करना।

पाठ– 8 गोडावण (आत्मकथा)

- नई विधा को समझना।
- विभिन्न लोगों द्वारा लिखी आत्म कथा को पढ़ने के लिए प्रेरित होना।
- स्वयं आत्मकथा लिखने का प्रयास करना।
- पढ़कर समझते हुए अपनी बात को व्यक्त करना।
- 'र' के विभिन्न रूप व ध्वनि को समझ कर उसके विभिन्न रूपों का अपने लेखन व पठन में सहजता के साथ प्रयोग करना।
- खोजबीन करना, सृजनात्मक अभिव्यक्ति करना एवं चीज़ों को संग्रहित करना।

लोकनृत्य

- अपने परिवेश के विभिन्न लोकनृत्यों के प्रति संवेदनशील होना एवं उनसे संबंधित चर्चा में

	अपनी बात को स्पष्टता के साथ रखना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																									
	II																									
समूह चर्चा के दौरान तर्क के साथ अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी गई/पढ़ी गई विषयवस्तु के आधार पर कल्पनात्मक वाक्य बोल पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
पठित सामग्री को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
विविध प्रकार की वस्तुओं को बनाने की विधि, निर्देशों एवं सांकेतिक भाषा को पढ़कर समझना एवं उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों एवं अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे .... प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों पर क्रमबद्धता के साथ कहानी का सृजन कर	I																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
लिख पाना।	II																									
विविध प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रश्नावली तैयार कर पाना।	I																									
	II																									
कल्पना के आधार पर अपने विचारों को व्यवस्थित कर लिख पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
शब्दों में प्रत्यय को पहचान पाना एवं स्वयं के स्तर पर प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विराम चिह्नों को पहचान पाना एवं उपयुक्त जगह पर उपयुक्त चिह्न का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विलोम शब्दों को समझते हुए उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
र के विभिन्न प्रयोगों को समझ पाना व लेखन में उपयुक्त प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का संकलन कर उसे व्यवस्थित रूप दे पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																									
	II																									
दिए गए निर्देशानुसार विभिन्न प्रकार की सामग्री बना पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																									
	II																									
समूह चर्चा के दौरान तर्क के साथ अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
सुनी गई/पढ़ी गई विषयवस्तु के आधार पर कल्पनात्मक वाक्य बोल पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
पठित सामग्री को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
विविध प्रकार की वस्तुओं को बनाने की विधि, निर्देशों एवं सांकेतिक भाषा को पढ़कर समझना एवं उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों एवं अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे .... प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों पर क्रमबद्धता के साथ कहानी का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									
विविध प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रश्नावली तैयार कर	I																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
पाना।	II																									
कल्पना के आधार पर अपने विचारों को व्यवस्थित कर लिख पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
शब्दों में प्रत्यय को पहचान पाना एवं स्वयं के स्तर पर प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विराम चिह्नों को पहचान पाना एवं उपयुक्त जगह पर उपयुक्त चिह्न का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विलोम शब्दों को समझते हुए उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
र के विभिन्न प्रयोगों को समझ पाना व लेखन में उपयुक्त प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का संकलन कर उसे व्यवस्थित रूप दे पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																									
	II																									
दिए गए निर्देशानुसार विभिन्न प्रकार की सामग्री बना पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

(कक्षा–4 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* वर्णाकृतियों की ध्वनि पहचान करते हुए पढ़ पाना		I																								
		II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।		I																								
		II																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।		I																								
		II																								
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।		I																								
		II																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।		I																								
		II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।		I																								
		II																								
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।		I																								
		II																								
कक्षा –2	**विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना**	**माह**																								
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।		I																								
		II																								
सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।		I																								
		II																								
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका		I																								

उचित प्रयोग कर पाना।	II																									
सरल वाक्यों / निर्देशों / प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I																									
	II																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों / किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									
कक्षा – 3 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *** पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना**	**माह**																									
* पठित सामग्री को उतार–चढ़ाव एवं धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
** संबंधित विषयवस्तु / संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									

तृतीय टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ

पाठ–9 आया वसंत (कविता)

- विभिन्न ऋतुओं के बारे में पढ़कर समझ बनाना ।
- कविता को उचित भाव के साथ पढ़ना व उसके भाव को समझकर व्यक्त करना।
- विषय वस्तु के आधार पर अपनी कल्पना की अभिव्यक्ति करना।
- सूचीकरण करते हुए निर्देशानुसार वर्गीकरण करना।
- आधे वर्ण की अवधारणा को समझते हुए प्रयोग करना।
- योजक शब्दों को समझना।
- सर्वनाम शब्दों का लेखन–पठन में प्रयोग करना।
- परिवेशीय शब्दों को मानक व अंग्रेजी भाषा में सहजता के साथ सह संबध बनाना।
- खोजबीन कर संकलन करने की आदत का विकास करना।

बंजारा नमक लाया

- पढ़ने के प्रति उत्सुकता दिखाना।
- पढ़कर गीत के रूप में सुनाना।

पाठ– 10 बेणेश्वर धाम (यात्रा वृतांत)

- नवीन विधा से परिचित होना एवं पढ़कर समझना।
- नवीन शब्दों से परिचित होना एवं शब्दभंडार को बढ़ाना।
- विषयवस्तु के अनुसार अपनी बात को समूह में रखना।
- लिंग की अवधारणा को समझना और सन्दर्भ के आधार पर प्रयोग करना।
- कोलाज़ की अवधारणा को समझते हुए सृजन करना।
- क्षेत्रीय भाषा को मानक भाषा में प्रयोग करते हुए संस्कृति के प्रति संवेदनशील बनना।
- यात्रा वृतान्त को पढ़ने के लिए प्रेरित होना और स्वयं लिखने का प्रयास करना।

पाठ– 11 पढ़क्कू की सूझ (कविता)

- उचित गति व भाव के साथ समझते हुए कविता को पढ़ना व उसमें कही जा रही बात को अपने शब्दों में व्यक्त करना।
- सीखे गए (विषय–वस्तु) नए शब्दों का प्रयोग अपनी भाषा में करना।
- विषयवस्तु का पुनः अवलोकन करते हुए प्रश्नों के तर्कपूर्ण उत्तर लिखना व बताना।
- उपसर्ग की प्रारंभिक समझ बनाना एवं स्वयं शब्द निर्मित करना।
- विभिन्न प्रकार के व्यवसायों को समझना तथा व्यवसायों के प्रति संवेदनशील होना।
- समस्या का वास्तविक हल ढूँढने का प्रयास करना।
- खोज बीन (टास्क के अनुसार) करना।
- मिट्टी से विभिन्न खिलौने बनाना।

चित्रकथा

- पढ़ने के प्रति रुचि होना।
- पढ़ी हुई बात को अपने शब्दों में सुनाना एवं दूसरों को पढ़कर सुनाने की पहल करना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित क्या ,क्यों ,कहाँ, कब.. वाले प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																									
	II																									
समूह चर्चा के दौरान तर्क के साथ अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रकार की जानकारी को सुनकर आनंद ले पाना।	I																									
	II																									
कविता या गीत आदि को लय व ताल के साथ गाकर सुना पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
पठित सामग्री को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न विधाओं के माध्यम से बहु–भाषिक और बहु–सांस्कृतिक संदर्भ से जुड़ पाना एवं नवीन जानकारी ले पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों एवं अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे . प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों को देखकर क्रमबद्धता के साथ कहानी का सृजन	I																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
कर लिख पाना।	II																									
साक्षात्कार लेने के लिए विविध प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रश्नावली तैयार कर पाना।	I																									
	II																									
स्वयं की आत्मकथा एवं यात्रा का वर्णन लिख पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
सर्वनाम शब्दों को समझ के साथ प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
प्रत्यय एवं उपसर्ग को समझ पाना।	I																									
	II																									
वचन, लिंग एवं विलोम की समझ होना एवं लेखन में अनुप्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
चित्र बनाकर उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																									
	II																									
कोलाज़ एवं चिकनी मिट्टी के खिलौने बना पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित क्या ,क्यों ,कहाँ, कब.. वाले प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																									
	II																									
समूह चर्चा के दौरान तर्क के साथ अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रकार की जानकारी को सुनकर आनंद ले पाना।	I																									
	II																									
कविता या गीत आदि को लय व ताल के साथ गाकर सुना पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
पठित सामग्री को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न विधाओं के माध्यम से बहु–भाषिक और बहु–सांस्कृतिक संदर्भ से जुड़ पाना एवं नवीन जानकारी ले पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों एवं अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे . प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों को देखकर क्रमबद्धता के साथ कहानी का सृजन	I																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
कर लिख पाना।	II																									
साक्षात्कार लेने के लिए विविध प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रश्नावली तैयार कर पाना।	I																									
	II																									
स्वयं की आत्मकथा एवं यात्रा का वर्णन लिख पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
सर्वनाम शब्दों को समझ के साथ प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
प्रत्यय एवं उपसर्ग को समझ पाना।	I																									
	II																									
वचन, लिंग एवं विलोम की समझ होना एवं लेखन में अनुप्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
चित्र बनाकर उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का अभिनय कर पाना।	I																									
	II																									
कोलाज़ एवं चिकनी मिट्टी के खिलौने बना पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

(कक्षा–4 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* वर्णाकृतियों की ध्वनि पहचान करते हुए पढ़ पाना	I																								
	II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।	I																								
	II																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।	I																								
	II																								
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।	I																								
	II																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।	I																								
	II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।	I																								
	II																								
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।	I																								
	II																								
सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।	I																								
	II																								

संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																								
	II																								
** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।	I																								
	II																								
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I																								
	II																								
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								
चित्र दृश्यों/किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।	I																								
	II																								
कक्षा – 3	**विद्यार्थियों के रोल नम्बर →** *** पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना**	**माह**																							
* पठित सामग्री को उतार–चढ़ाव एवं धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																								
	II																								
** संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																								
	II																								

चतुर्थ टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ

पाठ–12 केसर की क्यारी (कहानी)

- कहानी को उचित प्रवाह के साथ पढ़ना।
- विषयवस्तु से संबंधित प्रश्नों के तर्कपूर्ण उत्तर लिखना व बताना।
- विषय–वस्तु का भाव समझते हुए अपने विचार लिखकर व बोलकर बताना।
- विशेषण शब्दों का समझ के साथ प्रयोग करना।
- परिवेश में पाए जाने वाले विभिन्न जीव जन्तुओं के रहने के स्थान आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करना एवं उनके प्रति संवेदनशील होना।
- विषय वस्तु के आधार पर युद्ध के दौरान आमजन पर आने वाली चुनौतियों को समझना।
- कहानी का संक्षिप्तीकरण करना।
- 'स्वर–व्यंजन' में अन्तर करना।
- 'र' के विभिन्न स्थानों पर हुए प्रयोग को समझना।

शिवांक की डायरी

- पढ़ने के प्रति रुचि होना।
- स्वयं भी डायरी लेखन के लिए प्रेरित होना।

पाठ–13 थप्प रोटी थप्प दाल (संवाद)

- संवाद को पढ़कर समझना एवं संवाद बोलने व लिखने के कौशल को जानना।
- नवीन शब्दों की जानकारी होना एवं उन्हें प्रयोग में लाना।
- प्रश्नों को समझ कर विषयवस्तु से ढूँढ कर लिखना।
- प्रश्नों (open questions) के उत्तर स्वयं समझ कर विस्तार से लिखना।
- काम के आधार पर लिंग भेद को समझना।
- विषय वस्तु के आधार पर आवश्यक सामग्री की पहचान व खोजबीन करना।
- तर्क के आधार पर अपनी बात समूह के समक्ष अभिव्यक्त करना।
- कल्पना करके विभिन्न प्रकार के संवाद बोलना व लिखना।
- विभिन्न पात्रों का अभिनय करना।
- विपरीतार्थक शब्दों पर समझना एवं उनका सही इस्तेमाल करना।

पाठ–14 खेजड़ी (कविता)

- नवीन शब्दों की जानकारी होना एवं उन्हें प्रयोग में लाना।
- मानक भाषा एवं परिवेशीय बोली के मध्य सहसंबंध बनाना।
- विषयवस्तु की समझ के आधार पर उपयुक्त शब्दों का चुनाव करना।
- अनुनासिक बिन्दु को पहचानकर उसका प्रयोग करना।
- संज्ञा और प्रत्यय पर समझ बनाना।

मोरियो आछौ बोल्यौ रे

- लोकगीतों के प्रति रुझान बनाना।
- पढ़ने और गाने में आनन्द लेना।
- अन्य लोकगीतों को संग्रहित कर सुनाना।

ये बात समझ में नहीं आई

- पढ़ने के प्रति रुचि होना।
- पढ़कर गीत के रूप में गाना।
- कक्षा या अन्य सामारोह में सुनाने की पहल करना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित क्या ,क्यों ,कहाँ, कब.. वाले प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																									
	II																									
समूह चर्चा के दौरान तर्क के साथ अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास हो पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रकार की जानकारी को सुनकर आनद ले पाना।	I																									
	II																									
कविता या गीत आदि को लय व ताल के साथ गाकर सुना पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
पठित सामग्री को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न विधाओं के माध्यम से बहु–भाषिक और बहु–सांस्कृतिक संदर्भ से जुड़ पाना एवं नवीन जानकारी ले पाना।	I																									
	II																									
पठित सामग्री को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों व अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे .... प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
चित्र दृश्यों को देखकर क्रमबद्वता के साथ कहानी का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									
अनुमान व कल्पना के आधार पर स्वयं तुकबंदी कर लिख पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार संवादों को लिख पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
अनुनासिक, अनुस्वार को समझ के साथ पढ़ते हुए लेखन में इस्तेमाल कर पाना।	I																									
	II																									
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
शब्दों में प्रत्यय को पहचान पाना एवं स्वयं के स्तर पर प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
र के विभिन्न रूपों का संदर्भ के अनुसार उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
वचन, लिंग, विलोम शब्दों का वाक्यों में अनुप्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विशेषण की समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
चित्र बनाकर उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का संवादों के साथ अभिनय कर पाना।	I																									
	II																									
पुस्तकालय से एकांकी पढ़कर नाटक तैयार कर मंचन कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
कहानी/कविता/परिवेशीय घटना से सम्बन्धित क्या ,क्यों ,कहाँ, कब.. वाले प्रश्नों को सुनकर पूर्ण वाक्य में उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
सुनी गयी कविता/कहानी का भाव अपने शब्दों में आत्मविश्वास के साथ कह पाना।	I																									
	II																									
समूह चर्चा के दौरान तर्क के साथ अपने विचार रख पाना एवं दूसरे की बात को सुनने की क्षमता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से सम्बन्धित क्या, क्यों, कैसे वाले प्रश्न बना पाना एवं पूछने की क्षमता का विकास हो पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रकार की जानकारी को सुनकर आनद ले पाना।	I																									
	II																									
कविता या गीत आदि को लय व ताल के साथ गाकर सुना पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
पठित सामग्री को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न विधाओं के माध्यम से बहु–भाषिक और बहु–सांस्कृतिक संदर्भ से जुड़ पाना एवं नवीन जानकारी ले पाना।	I																									
	II																									
पठित सामग्री को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों व अनुभवों को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे .... प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
चित्र दृश्यों को देखकर क्रमबद्वता के साथ कहानी का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									
अनुमान व कल्पना के आधार पर स्वयं तुकबंदी कर लिख पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार संवादों को लिख पाना।	I																									
	II																									
व्याकरण																										
अनुनासिक, अनुस्वार को समझ के साथ पढ़ते हुए लेखन में इस्तेमाल कर पाना।	I																									
	II																									
मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
शब्दों में प्रत्यय को पहचान पाना एवं स्वयं के स्तर पर प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
र के विभिन्न रूपों का संदर्भ के अनुसार उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
वचन, लिंग, विलोम शब्दों का वाक्यों में अनुप्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
विशेषण की समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
चित्र बनाकर उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न पात्रों का संवादों के साथ अभिनय कर पाना।	I																									
	II																									
पुस्तकालय से एकांकी पढ़कर नाटक तैयार कर मंचन कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
अपने परिवेश के प्रति सहज व सजग हो पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
आसपास मौजूद हालातों के बारे में कारण खोज पाना।	I																									
	II																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									

लेखन–पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

(कक्षा–4 में नामांकित पीछे के स्तरों पर अध्ययनरत बच्चों के लिए)

कक्षा –1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना	माह																								
* वर्णाकृतियों की ध्वनि पहचान करते हुए पढ़ पाना		I																								
		II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना तथा पढ़ पाना।		I																								
		II																								
मात्राओं की ध्वनि एवं चिह्नों को समझते हुए पढ़ पाना।		I																								
		II																								
** चित्र के माध्यम से शब्दों को लिख पाना।		I																								
		II																								
वर्णाकृतियों को पहचान पाना व लिख पाना।		I																								
		II																								
सीखे गए वर्णों से नवीन शब्द बना पाना।		I																								
		II																								
सीखी गई मात्राओं का प्रयोग कर शब्द लिख पाना।		I																								
		II																								
कक्षा –2	**विद्यार्थियों के रोल नम्बर → * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना**	**माह**																								
* सरल वाक्यों को पढ़कर समझ पाना।		I																								
		II																								

सीखी गई मात्राओं से युक्त वाक्यों को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार व अनुनासिक शब्दों को पढ़ पाना एवं उनका उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।	I																									
	II																									
** सरल वाक्यों का लेखन कर पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I																									
	II																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र दृश्यों/किसी विषयवस्तु के संदर्भ में लगभग 6–8 वाक्यों का सृजन कर लिख पाना।	I																									
	II																									
कक्षा – 3	**विद्यार्थियों के रोल नम्बर →** *** पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना**	**माह**																									
* पठित सामग्री को उतार–चढ़ाव एवं धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।	I																									
	II																									
** संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									

शिक्षक के नोट्स